



उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग  
परीक्षा पाठ्यक्रम

**डाउनलोड**  
**उत्तर प्रदेश**  
**लोक सेवा आयोग**  
**मुख्य परीक्षा**  
**पाठ्यक्रम**

**वैकल्पिक विषय : पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विज्ञान**

# वैकल्पिक विषय : पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विज्ञान

## प्रश्नपत्र - I (Paper - I)

### भाग-अ (Section - A)

(अ) **पशु पोषण:** रोमन्थी एवं अरोमन्थी पशुओं में पाचन क्रिया, पोषक तत्वों की दुग्ध उत्पादन के लिये आवश्यकतायें, पोषक तत्व एवं उनके पशु शरीर में कार्य, खाद्य पदार्थों का वर्गीकरण, खाद्य मानक, आहार के सिद्धान्त और संतुलित आहार की गणना, साईलेज एवं 'हे' के रूप में चारों का संरक्षण, निम्न गुणवत्ता वाले चारों का उपचार, पाचन क्रिया में विकरों का कार्य, महत्व, खनिज पोषण: पशुओं के लिये खनिज का स्रोत, कार्य, कमी के लक्षण व आवश्यकताएं, बिटामिन: पशुओं के लिये इनका स्रोत, कार्य, कमी के लक्षण, आवश्यकताएं, न्यासर्गी (हारमोन्स): न्यासर्गी का उत्पादन एवं प्रजनन में कार्य, कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन एवं लियेड्स (वसा) का उपापचयन, खाद्य योगिक एवं योगज क्षेत्र एवं कमी के लक्षण, आवश्यकताएं, प्रोबायोटिक एवं प्रीबायोटिक का डेरी पशुओं के कुक्कुट के पोषण में उपयोग। प्राकृतिक आपदा में पशुओं का खिलाना, पाचकता विशेषणांक, गोवंश बच्चों, ओसर, सांड, गायें, भैंस का खानपा, प्रसव के पहले एवं पश्चात गायों को खिलाना, विटामिन्स एवं खनिजों का आपसी सम्बन्ध, ऊर्जा एवं प्रोटीन के लिए खाद्य पदार्थों का मूल्यांकन। अंडा देने वाली मुर्गी एवं ब्रायलर की आवश्यकताएं एवं आहार की गणना।

(ब) **पशु दैहिकी वातावरण सम्बन्धी:** अनुकूलन एवं दशानुकूलन व इसका, वृद्धि कारक, वृद्धि के मापक, तापक्रम फलस्वरूप तनाव का नियंत्रण के ढंग (सर्दी, गर्मी), पशु शरीर सम्बन्धी: रोमन्थी व अरोमन्थी पशुओं में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन एवं वसा का पाचन, शोषण। नर एवं मादा के प्रजनन अंगों का कार्य, दुग्ध क्षरण दैहिकी, दुग्ध का निसकारन एवं अवरोध (रूकावट), शुक्राणु जनन, अंड जनन, वीर्य संग्रहण, मूल्यांकन, तनवीकरण, एवं संरक्षण, वीर्य का हिमीकरण, वीर्य तनुकरण, कृत्रिम गार्भाधान विधियां, स्तनग्राथियों के नियंत्रण, में न्यासर्गीक कार्य, मासगुणवत्ता, उत्पादन एवं प्रजनन पर इनका प्रभाव, व्याना (प्रसव), जेर का रूकना, डिस्टोकिया (असामान्य प्रसव)

### भाग-ब (Section - B)

(स) **पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्ध:** भारत में डेरी उद्योग का विकसित देशों से तुलना, मिश्रित एवं विशिष्ट फार्मिंग, डेरी फार्मिंग का आरम्भ एवं संगठन, डेरी फार्मिंग में सामान्य का एकत्रितकरण, डेरी पशुओं की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारक, जूट(झुण्ड) का अभिलेखन, आय व्यय बजटीकरण, कीमत निर्धारण योजनाएं, कार्मिक प्रबन्धन, डेरी पशुओं एवं कुक्कुटों का आवासीय प्रबन्धन, डेरी पशुओं के बच्चों, ओसर, गाये का प्रबन्धन, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन, कुक्कुटों एवं डेरी पशुओं का आर्थिक विश्लेषण, गोवंश, भैंस, भेड़, बकरी, सूकर, एवं कुक्कुटों के प्रबन्ध सम्बन्धी सामान्य समस्यायें, गोकुल मिशन, राष्ट्रीय डेरी परियोजना, अभिलेखन प्रबन्धन, दुग्ध प्रणाली-ढंग, सिद्धान्त, सामान्य डेरी प्रक्रियाओं का प्रबन्धन, दुग्ध उत्पादन का परिव्यय, चारागाह प्रबन्धन,

(द) **दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद प्रौद्योगिकी:** दूध का संकलन एवं परिवहन। दूध का संग्रहण एवं गुणवत्ता परीक्षण। दूध की परिभाषा, संगठन एवं पोषार्थ। दूध के भौतिक एवं रासायनिक गुणा। दूध का अवशीतन, निस्स्यन्दन, निर्मलीकरण, प्रथकीकरण तथा मानकीकरण। दूध का संमागीकरण, पास्तुरीकरण, निर्जनीकरण, पैकेजिंग एवं वितरण। दूध के दोष, उसके कारण व निस्तारण। दूध के प्रकार: मानकीकृत दूध, टोन्ड दूध, डबलटोन्ड दूध, पुननिर्मित दूध, पुनमिश्रित दूध, सुगन्धित एवं फिल्ड मिल्क। दूध संयंत्र की सफाई व निर्जीवीकरण। जामन व उसका उपजापन करना। खोआ, छेना, पनीर, दही, लस्सी, श्रीखण्ड, व कुल्फी का उत्पादन, पैकेजिंग, उपज एवं संगठन। घी का उत्पादन एवं श्रेणीकरण। आइसक्रीम, मक्खन, चीज, संघनित, वाष्पीकृत एवं शुष्क दुग्ध का उत्पादन एवं गुणवत्ता परीक्षण। बी0आई0एस0 एवं एफ0एस0एस0आई0ए0 के अनुरूप दूध एवं दूध पदार्थों के मानक। दूध के उपोत्पादों का उपयोग-व्हे, छाछ एवं सप्रेटा दूध।

## प्रश्न पत्र - II (Paper - II)

### भाग-अ (Section - A)

(अ) सामान्य आनुवंशिकी एवं पशु प्रजनन: पशुओं का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान, पौधों एवं पशुओं का आपसी सम्बन्ध, पशुओं एवं दूध उत्पादन सांख्यिकी, वंशागति एवं विभिन्नता, वंशागत मेंडल नियम, प्यूटेशन (उत्परिवर्तन), साइटोप्लाज्मिक वंशानाता, जननद्रव्य, संरक्षण, गोवंश, भैसा, बकरी, भेड़, सूकर, एवं कुक्कुटों की जातियाँ, प्रजनन की विधियाँ एवं प्रणाली, चयन विधियाँ, चयन गुणांक एवं अन्तः प्रजनन गुणांक, वीर्य का एकत्रीकरण, मूल्यांकन, कृत्रिम गर्भाधान की विधियाँ, हार्डी वीनवर्ग नियम, जनसंख्या एवं वीर्यमत जोनि एक अन्तः प्रजनन गुणांक जीनोटाइप बारम्बारता।

(ब) स्वास्थ्य एवं स्वच्छता: गोवंश एवं कुक्कुट का शारीरिक संरचना उत्तक विज्ञान तकनीकी, हिमीकरण, पैराफिनिकरण, अन्तः स्थपित करना, रक्त की फिल्म (परत) बनाना एवं प्रयांक में आने वाले अभिरंजन, सामान्य उत्तकी अभिरंजन, रक्त गाय की भ्रूण विज्ञान, रक्त की टाईकी, पशु स्वास्थ्य व पाचन, शोषण, उत्सजन, श्वसन क्रिया, न्यास्या ग्रन्थियाँ, जल, वायु तथा आक्सीय वेटनरी स्वच्छता।

### भाग-ब (Section - B)

(स) पशु बीमारियाँ: प्रतिरक्षा एवं टीकाकरण: प्रतिरक्षा की विधियाँ एवं सिद्धान्त, रोगों का वर्गीकरण, गौवशं, भैस, भेड़, बकरी, सूकर, कुक्कुट की बीमारियों की लोकाचार प्रकृति, लक्षण, निदान, नियंत्रण एवं उपचार विशेषताएं- एश्रेक्ट, गलाघोटू, लगड़ी बुखार, थनैला, टीवी, जोन्स बीमारी, खुरपका, मुंहपका, स्टिडरपेस्ट, रेबीज, ट्रांइपेन्सोमियासिस, पायरोप्लाज्मोसिस, ट्राइकोमोनिएसिस, एक्टोनोवैरिओसिस, ऐक्टोमाइकोसिस, पैरो फेसिलोलिस, दुग्धज्वर, अफारा, नवजाला बन्ध की बीमारियाँ कुक्कुट बीमारियाँ ले आचार प्रकृति, निदान लक्षण, नियंत्रण, उपचार विशेषता: रानीखेत, फागुन पानस, रावियन ल्यूकोसिस, मेरेक्स, गुम्बारों के लिये, सूकर की बीमारियाँ स्वाईनज्वर, हाम कालरा, खुजली, हामप्लू, खुरपका, मुंहपका, पाक्स,

(द) वेटनरी लोक स्वास्थ्य: जुनोसिस, परिभाषा, जुनेटिक बीमारियों का पशुओं व पक्षियों फैलाव व वर्गीकरण, पशु चिकित्सा धर्मशास्त्र: पशु रोग के रोकथाम तथा पशु के गुणों को सुधारने के लिए नियम एवं अधिनियम। पशु चिकित्सा विधिक परीक्षण हेतु नमूना लेने के लिए प्रक्रिया तथा विधियाँ। पशु चिकित्सक के कर्तव्य एवं भूमिका। वधशाला से प्राप्त उपोत्पाद तथा उनका आर्थिक उपयोग।

(य) प्रसार: प्रसार के सिद्धान्त, धारणा, उद्देश्य तथा मूल दर्शन, ग्रामीण किसानों को शिक्षित करने की विभिन्न विधियाँ। नयी, तकनीक का निर्माण, उसका स्थानान्तरण तथा पुनः मूल्यांकन, नयी तकनीक के स्थानान्तरण में समस्याएं एवं बाधाये। ग्रामीण विकास के लिए पशुपालन प्रयोजनायें।